Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding corruption in Rajasthan State Mines and Minerals Limited

श्री अर्जुन लाल मीणा (**उदयपुर**): सभापति महोदय, राजस्थान स्टेट माइन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड (आर.एस.एम.एम.) एक सरकारी उपक्रम है । इसमें भ्रष्टाचार खूब बढ़ रहा है । व्यवसायियों का एक गिरोह हेरफेर करते हुए लगभग सभी बड़े अनुबंध अनुगृहीत करके आर.एस.एम.एम. को करोड़ों रुपए का घाटा दे रहा है । निविदाओं की शर्तों को भी प्रभावित कर स्वयं के अनुकूल बनवाया जा रहा है और इन सभी अवैध गतिविधियों में स्थानीय और प्रशासनिक अधिकारियों की संलिप्तता भी शामिल है । उदाहरण के तौर पर झामरकोटड़ा में ओ.एंड एम., पूर्व में आर.एस.एम.एम. द्वारा ही संचालन व रख-रखाव का कार्य संपादित किया जाता था । इसे अब नियोजित तरीके से ऐसी कम्पनी को दे दिया गया, जिसे सम्बधित कार्य का कोई अनुभव नहीं है । झामरकोटड़ा माइनिंग कान्ट्रैक्ट वर्तमान में मौजूद ठेकेदार का अनुबंध समय से पूर्व खत्म करते हुए निविदा चहेती कम्पनी को दिया जाना निश्चित है । इसकी समय सीमा भी 20 वर्ष तक कर दी है । सेकेन्ड्री ओ.आर.ई. कान्ट्रैक्ट भी बी.आर.पी. प्लांट स्थापित करने हेतु किसी निजी कंपनी को दे दिया गया है । इसके लिए भूमि आबंटन वर्तमान में प्रतीक्षित है ।

अतः मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ कि उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए राजस्थान स्टेट माइन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए केंद्रीय स्वतंत्र जांच एजेंसी से जांच करायी जाए ।